प्रधानमंत्री पद के लिए नहीं है रथयात्रा: गडकरी

नई-दिल्ली: भाजपा ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से एक दिन पहले आज स्पष्ट किया कि अगले महीने ११ अक्तूबर से शुरूहो रही लालकृष्ण आडवाणी की देशव्यापी रथयात्रा प्रधानमंत्री पद की दावेदारी के लिए नहीं है। पार्टी अध्यक्ष नितिन गडकरी ने यहां आडवाणी की यात्रा के बारे में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि आडवाणी की 'यह यात्रा प्रधानमंत्री पद के लिए नहीं बल्कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता को जगाने के लिए है।'

इस सवाल पर कि क्या आडवाणी लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री पद के दावेदार होंगे, गडकरी ने कहा कि आडवाणी स्वयं इस बात को यह कहकर साफ कर चुके हैं कि 'पार्टी और देश की जनता ने उन्हें जितना स्नेह और सम्मान दिया है, वह प्रधानमंत्री पद से कहीं अधिक है।' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि आडवाणी प्रधानमंत्री पद की अपनी उम्मीदवारी को लेकर स्पष्टीकरण दे चुके हैं लेकिन मीडिया का एक वर्ग बेवजह इसे मुद्दा बना रहा है। इन्हीं सवालों के क्रम में जब उनसे पूछा गया कि अगर आडवाणी नहीं तो भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार कौन होगा, तो उन्होंने कहा, 'बहुत सारे विकल्प हैं।'

गडकरी ने बताया कि आडवाणी की यात्रा लोकनायक जयप्रकाश के जन्मदिवस पर उनके गांव बिहार में सारण जिले के सिताब दियाय से ११ अक्तूबर को शुरूहोगी, जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद आडवाणी की यात्रा की पहली सभा पटना में होगी और वहां भी नीतीश और जद-यू अध्यक्ष शरद शादव मंच पर रहेंगे। पटना सभा में भाजपा की ओर से अन्य नेताओं के अलावा अरुण जेटली और सुषमा स्वराज उपस्थित होंगे। गडकरी ने बताया कि यात्रा का समापन २० नवंबर को दिल्ली में एक विशाल रैली के साथ होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या यह यात्रा अयोध्या और सोमनाथ से भी होकर गुजरेगी, उन्होंने इसका सीधा उत्तर नहीं देते हुए कहा कि यह उत्तर प्रदेश और गुजरात सहित देश के १८ राज्यों और तीन संघशासित क्षेत्रों से गुजरेगी और इसका विस्तृत कार्यक्रम अभी तैयार किया जा रहा है।

आडवाणी की यात्रा से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नाराजगी की खबरों को भी गडकरी ने निराधार बताते हुए कहा कि सरसंघचालक मोहन भागवत ने स्वयं आडवाणी को यात्रा की सफलता के लिए आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि संघ का आडवाणी की यात्रा को लेकर किसी तरह का कोई विरोध नहीं है और कुछ दिन पहले सरसंघचालक ने 'स्वयं मुझसे यह बात कही है।'

A Nano car now worth Rs 22 crore

भाजपा प्रमुख ने पार्टी के सभी मुख्यमंत्रियों और नेताओं तथा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे आडवाणी की यात्रा को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग करें। उन्होंने कहा कि आडवाणी की यात्रा भ्रष्टाचार के खिलाफ जनजागरण और सुशासन तथा स्वच्छ शासन के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से शुरूकी जा रही है। आडवाणी की प्रशंसा करते हुए गडकरी ने कहा कि वह एक संवेदनशील, आदर्श और उच्च नैतिक आचरण वाले व्यक्ति हैं और इस तरह के लोग आज हिन्दुस्तान में बहुत कम देखने को मिलते हैं।

देश की वर्तमान स्थिति को अत्यधिक चिन्ताजनक बताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले दो साल से जिस आयाम के भ्रष्टाचार हुए हैं, उसने देश की राजनीति को अस्थिर कर दिया है। यही नहीं इससे देश विदेश में भारत की छवि धूमिल हुई है। गडकरी ने कहा कि इन हालात को लेकर जनता के रोष का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसने भ्रष्टाचार के खिलाफ हाल में हुए गैर राजनीतिक आंदोलनों को भरपूर समर्थन दिया।

२जी घोटाले का उल्लेख करते हुए उन्होंने दावा किया कि यह घोटाला जेल में बंद ए. राजा ही नहीं बल्कि तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तक की सहमति से हुआ। नोट के बदले वोट मामले के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि जिन लोगों ने इस कांड का पर्दाफाश किया, वे आज जेल में बंद हैं और इसका लाभ पाने वाले खुले घूम रहे हैं।

मिथ्या प्रचार कर रहे हैं सरकारी एजेंट: हजारे

नई-दिल्ली: ब्लॉग और ट्विटर से जुड़ने के बाद अन्ना हजारे ने आज यह आरोप लगाया कि 'सरकार के कुछ एजेंट' ऐसा प्रचारित कर रहे हैं कि उनके 'चहेते मंत्रियों' के कारण ही उन्होंने अगस्त में दिल्ली के रामलीला मैदान में अपना अनशन वापस लिया। हजारे ने अपने बहुभाषी ब्लॉग अन्नाहजारेसेज.वर्डप्रेस.कॉम पर लिखा, 'सरकार से आश्वासन मिलने के बाद मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज पर अनशन खत्म किया। मैं यह स्पष्टीकरण इसलिए दे रहा हूं, क्योंकि मुझे पता चला कि कुछ सरकारी एजेंट ऐसा प्रचारित कर रहे हैं कि उनके चहेते मंत्रियों के कारण ही मैंने अपना अनशन खत्म किया।' उन्होंने लिखा, 'मैंने इन लोगों के आत्मप्रशंसा वाले लेख और साक्षात्कार देखे हैं। यह दुष्प्रचार है। हजारे ने लिखा कि उनके अनशन के आखिरी क्षण तक सरकार ने इसे तोड़ने की कोशिश की।'

हजारे ने लिखा कि अनशन के दौरान उनके सहयोगियों से मिलने आए मध्यस्थ और मंत्रियों ने अगल-अलग तरह की बातें कीं। उन्होंने लिखा, 'यह सरकार की जिम्मेदारी थी कि वह वार्ता के लिए लोगों को भेजने से पहले यह देख लेती कि वह भ्रष्ट हैं या उनकी छवि साफ है। यह सोचना सरकार का काम था। मैंने उन्हें सरकार का प्रतिनिधि समझ कर उनसे बात की। इन सवालों के जवाब सरकार के पास है।' गौरतलब है कि हजारे के अनशन खत्म करने के बाद आदर्श घोटाले में आरोपों का सामना कर रहे केंद्रीय मंत्री विलासराव देशमुख और भरयुजी महाराज के मध्यस्थता में शामिल होने पर मीडिया में सवाल किए गए।

हजारे ने अपने ब्लॉग पर टेलीविजन पर दिए एक विशेष साक्षात्कार में 'अपने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की सराहना करने के लिए' म्यांमार की लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की का आभार प्रकट किया। उन्होंने लिखा, 'मैं भारत की जनता और अपने सहयोगियों की ओर से व्यक्तिगत तौर पर अपने देश के हितों के लिए त्याग करने वाली म्यांमार की महान और नोबेल पुरस्कार विजेता आंग सान सू की का आभार प्रकट करना चाहता हूं।' हजारे ने लिखा, 'म्यांमार में तानाशाही के खिलाफ चल रहा संघर्ष विश्व के इतिहास के महानतम संघर्षों में से एक है।'

वरिष्ठ पत्रकार विजय कुवालेकर और राजनीतिक विशेषज्ञ राजू पारुलेकर इस ब्लॉग पर अपने विचार प्रकट करने में हजारे की मदद कर रहे हैं। विजय ने बताया कि अगले १५ से २० दिनों में ब्लॉग का हिंदी संस्करण भी शुरूहो जाएगा और जर्मन और फ्रांसीसी संस्करण पर भी काम चल रहा है। विजय ने कहा कि जरूरत पड़ने पर हजारे इस ब्लॉग पर अपने विचार रखेंगे।

भट्ट और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित हो : केंद्र

नई-दिल्ली: केन्द्र ने गुजरात सरकार से कहा है कि वह निलंबित आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट और उसके परिजनों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करे। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने श्वेता भट्ट, उनके पति और परिवार के अन्य सदस्यों के जीवन पर खतरे की आशंका के मद्देनजर गुजरात सरकार को पत्र लिखकर उससे उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा है।

उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार भट्ट और उसके परिजनों की जान पर खतरे को लेकर अपनी ओर से स्वतंत्र आकलन भी करेगी। श्वेता ने अपने पति और परिवार के अन्य सदस्यों के जीवन पर गंभीर खतरे की आशंका जताते हुए गृह मंत्री पी चिदंबरम को पत्र लिखकर सुरक्षा की गुहार लगायी थी। भट्ट को राज्य पुलिस के एक कांस्टेबल द्वारा दायर प्राथमिकी के आधार पर ३० सितंबर को गिरफ्तार किया गया था।

उन पर कांस्टेबल को कथित रूप से धमकाने और मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गोधरा ट्रेन घटना के बाद २७ फरवरी २००२ को बुलायी गयी बैठक के संबंध में झूठे हलफनामे पर दस्तखत कराने का आरोप है। श्वेता ने अहमदाबाद पुलिस आयुक्त सुधीर सिन्हा पर आरोप लगाया है कि उनके ही निर्देश पर सब कुछ हो रहा है। उन्होंने सोमवार को कहा था, 'मुझे अपनी सुरक्षा की परवाह नहीं है लेकिन अपने पति की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिन्ता है।' २००२ में गोधरा बाद के दंगों के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाने वाले भट्ट की पत्नी श्वेता की ओर से गृह मंत्रालय को पत्र मिलने के बाद ही गृह सचिव आर के सिंह ने उच्चस्तरीय बैठक बुलाकर श्वेता की शिकायत पर विचार किया।

आर्थिक घोटालों एवं भ्रष्टाचार संबंधी जानकारी दे

सेन्सर टाइम्स को सम्पूर्ण भारत वर्ष से भ्रष्टाचार संबंधी शिकायते मय दस्तावेजी प्रमाण के साथ प्राप्त हो रही है हम अपने स्तर पर इन शिकायतों की जाँच करते है और वे शिकायतें सही पाई जाती है तो हम जनहित में आर्थिक घोटालों को समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित कर उसे सार्वजनिक कर भ्रष्टाचारीयों का पर्दाफाश करते है. पाठकों से निवेदन है कि आपकी जानकारी में ऐसा कोई आर्थिक घोटाला या भ्रष्टाचार से संबंधीत कोई सूचना है तो हमें उसके दस्तावेजी प्रमाण के साथ हमें भेजे और हमारे भ्रष्टाचार मिटाने के संकल्प को मजबूती दे । हम आपको विश्वास दिलाते है कि हम आपका नाम गुप्त रखेगे । आओं हम सब मिलकर हमारे देश को भ्रष्टाचार व भय मुक्त करने में अपना सहयोग दे क्योंकि मेरा ऐसा मानना है कि कोशिश के पेड़ों पर ही कामयाबी के फल मिलते है और यदि हम यही फल हमारे देश की उन्नती के लिये व हमारे समाज के उत्थान के लिये करेंगे तो यकीन मानिये एक नि हमारा देश पुनः सोने की चिड़िया कहलायेग.

-प्रधान संपादक

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - रविकुमार पोद्दार इन्दौर ७२/७४ , सूयश विहार,भमोरी दुबे,फारचुन लैण्डमार्क के पीछे, इन्दौर से प्रकाशित एवं आर्टटेक ग्राफिक्स, 864/9, नेहरू नगर, इन्दौर म.प्र. से मुद्रीत
सम्पादक रविकुमार पोद्दार .आर.एन.आई. नं. १२७८२/२००३ e-mail- censortimes@ hotmail.com मोबाईल-०९९२६६-३१७०७